RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 15 नवंबर 2023 वर्ष 05 अंक 204 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

# अजित पवार बीजेपी के भ्रम जाल में फंसे !

## स्वाभिमान गिरवी रखने का लग रहा आरोप...

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर बीजेपी के भ्रम जाल में फंसने का और बीजेपी के सामने अपना स्वाभिमान गिरवी रखने का आरोप लग रहा है। एक तरफ अजित पवार महाराष्ट्र के निकाय चुनाव में मिली अप्रत्याशित जीत को लेकर उत्साहित हैं, तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपी की तरफ से उनकी पार्टी और विधायकों पर बढ़ रहे दबाव को लेकर हतोत्साहित भी हैं और बीजेपी के साथ उनका मतभेद भी साफतौर पर नजर आने लगा है। विपक्ष भी हमलावर हो गया है और अजित पवार पर आप लग रहे हैं कि अब उनकी राजनीतिक पकड़ कमजोर होती नजर आ रही है।

अजित पवार बीते दिनों राज्य सरकार की कैबिनेट मीटिंग में उपस्थित नहीं थे और उसी के बाद से मौजूदा सरकार के साथ उनके मतभेद की खबर निकलकर सामने आई। हालांकि अजित पवार और राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे साथ ही राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस तरह की बात को सिरे से नकारा, लेकिन अजीत पवार का मौजूदा सरकार के साथ मतभेद अब साफ तौर पर नजर आने लगा है।

### अपने विधायकों को फंड ना मिलने से नाराज

सूत्रों के हवाले से मिली खबर के अनुसार अजित पवार सरकार द्वारा अपने विधायकों को फंड नहीं दिए जाने वजह से नाराज चल रहे हैं और इसी सिलसिले में बात करने के लिए वह बीजेपी के आला कमान नेताओं से मिलने दिल्ली गए थे। खबर यह है कि दिल्ली में वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। अब ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि उनका दिल्ली जाना सफल होता है या नहीं।

अजित पवार की मुश्किल थमने का नाम नहीं ले रही है। उनकी अपनी ही पार्टी के विधायक उनके लिए मुश्किल भी खड़ी कर रहे हैं। ओबीसी नेता और अजित पवार गुट के विधायक छगन भुजबल ने हाल ही में मराठा आंदोलन को लेकर यह कहा, कि मराठा रिजर्वेशन की आड़ में ओबीसी रिजर्वेशन को खत्म करने की सियासत चल रही है और वह ऐसा कतई होने नहीं देंगे।

### पवार के साथ मुलाकात पर अटकलें तेज

**दिवाली के मौके पर अजित पवार ने शरद पवार और सुप्रिया सुले से भी मुलाकात की थी और शरद पवार के साथ उनकी मुलाकात के बाद अब राजनीतिक हलकों में यह चर्चा शुरू हो गई है कि छोटे पवार और बड़े पवार के बीच कुछ खिचड़ी पक रही है। जिसका खुलासा आने वाले दिनों में हो सकता है। खबर यह भी है कि ठीक चुनाव से पहले अजित पवार कुछ बड़ा ऐलान कर सकते हैं और इसे उनकी भाजपा के साथ चल रही नाराजगी के साथ जोड़कर देखा जा रहा है।**

# मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई

## पांच सितारा होटल से 15 करोड़ की कोकीन जब्त !

### विदेशी महिला गिरफ्तार...

**मुंबई :** मुंबई के विलेपार्ले इलाके से जब्त की गई 15 करोड़ रुपये की कोकीन की तस्करी के मामले में एनसीबी ने नई दिल्ली से 30 वर्षीय एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी विदेशी महिला की पहचान रेहेमा ऑगस्टिनो के तौर पर हुई है और वह तंजानिया की नागरिक है। मिली जानकारी के मुताबिक, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 9 नवंबर को विलेपार्ले में घरेलू हवाई अड्डे के करीब एक पांच सितारा होटल में छापेमारी में दो किलो कोकीन जब्त की थी। इस मामले में जाम्बिया के नागरिक गिलमोर लेसी एंडी को गिरफ्तार किया गया था।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह कई दिनों से विदेश से कोकीन भारत तस्करी कर रहा है। वह केवल भारत में नशीले पदार्थ को लेकर आता था और बदले में उसे पैसे मिलते थे।

जिसके बाद एनसीबी ने मुख्य आरोपी की संलिप्तता की जांच शुरू की और सुराग मिलते ही उसकी तलाश तेज की।

छानबीन में अधिकारियों को पता चला कि जब्त कोकीन को नई दिल्ली में आरोपी तक पहुंचाया जाना था। इसके बाद एनसीबी की एक टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई। जब आगे जांच बढ़ी तो कोकीन की तस्करी में विदेशी महिला रेहेमा का नाम सामने आया। एनसीबी ने उसे हिरासत में ले लिया और पूछताछ की तो यह स्पष्ट हो गया कि वह भी इस रैकेट में शामिल थी। उसे गिरफ़्तार कर दिल्ली की अदालत में पेश किया गया।

# महादेव बेटिंग ऐप घोटाला:

## मुंबई पुलिस की एफआईआर रिपोर्ट के बाद डाबर ग्रुप ने शामिल होने से किया इनकार

**मुंबई :** महादेव बेटिंग ऐप घोटाला इन दिनों चर्चा में है. डाबर ग्रुप के स्वामित्व वाले बर्मन परिवार ने महादेव सट्टेबाजी ऐप घोटाले की जांच में उनके कथित रूप से शामिल होने से संबंधित मुंबई पुलिस की एफआईआर पर कोई भी सूचना मिलने से इनकार किया है. मुंबई पुलिस ने महादेव बेटिंग ऐप घोटाले के मामले में 32 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है. जिसमें डाबर ग्रुप के डायरेक्टर गौरव बर्मन और कंपनी के चेयरमैन मोहित बर्मन का नाम भी शामिल है.

बर्मन परिवार के प्रवक्ता ने कहा,

'हमें किसी भी एफआईआर से जुड़ा आधिकारिक पत्र नहीं मिला है. हालांकि, हमने वो एफआईआर देखी है, जो इस दौरान मीडिया हाउस में सकुर्लेट हो रही है.' उन्होंने आगे कहा, 'ये एफआईआर पूरी तरह से फर्जी और आधारहीन है. एफआईआर में जिस तरह से गलत तरीके से लिखा गया है, सच्चाई के आगे वह ठहर नहीं पाएगा.' सोशल एक्टिविस्ट प्रकाश बंकर ने 7 नवंबर को इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी. इस पर बर्मन परिवार ने आरोप लगाया था, 'ये कुछ और नहीं बल्कि कुछ लोगों का अपने हितों को साधने के लिए उठाया गया कदम है, ताकि बर्मन परिवार द्वारा रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के अधिग्रहण को रोका जा सके'. 'आश्चर्यजनक रूप से, ये एफआईआरभी उस वक्त आई है, जब बर्मन परिवार रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में अपनी हिस्सेदारी को 21.24% से बढ़ाना चाहता है और एएइक के टेकओवर कोड के तहत वैध ओपन ऑफर लाया है.

# मुंबई एयरपोर्ट पर प्लास्टिक की हजारों बोतलें रिसाइकल...

## पर्यावरण बचाने के लिए क्या है CSMIA का प्लान?

**मुंबई :** छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर लगी दो रिवर्स वेंडिंग मशीनों (आरवीएम) के जरिए अब तक सिंगल यूज प्लास्टिक की हजारों बोतलें रिसाइकल की जा चुकी हैं। बता दें कि टर्मिनल 2 पर इसी साल जनवरी में दो आरवीएम लगाई गई थीं। एक अधिकारी ने बताया कि 10 महीनों में अंदर करीब 9 हजार प्लास्टिक की बोतलों को रिसाइकल किया जा चुका है। एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा यहां तीन और रिसाइकल मशीनें लगाए जाने की योजना है। इसके जरिए सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे

को रिसाइकल कर जीरो वेस्ट के लक्ष्य को हासिल करने की योजना है।

### हर घंटे 450 बोतलें रिसाइकल

जानकारी के मुताबिक, मौजूदा दो आरवीएम मशीनें हर घंटे 450 प्लास्टिक की बोतलों को प्रोसेस करने में सक्षम हैं। ये 70 प्रतिशत कचरे को कंप्रेस कर रीसाइकलिंग केंद्रों तक कुशल और आसान परिवहन, संसाधनों की बचत, उत्सर्जन को कम करने और रसद लागत में कटौती करने में सक्षम हैं। गौरतलब है कि साल 2019 में उरटक्अ ने रिटेल, खाद्य और पेय पदार्थों और साझेदार एयरलाइनों में इस्तेमाल होने वाले सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे परिसर 100 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त हुआ। सीरीज के जरिए अभियान को लोकप्रिय भी बनाया गया। सीएसएमआईए ने कहा कि हमारा लक्ष्य 2029 तक 'ऑपरेशनल नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन' है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 15 नवंबर 2023

## संपादकीय / लेख

### भारतीय रेलवे की क्षमता में कमी...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

दीवाली के अवसर पर पड़ने वाले सप्ताहांत पर लंबी दूरी की ट्रेनों और विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर बेतहाशा भीड़ की तस्वीरों और वीडियो ने कई लोगों को स्तब्ध कर दिया। ट्रेनों के बाहर भारी भीड़ मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क के भीड़-भाड़ वाले समय की याद दिलाती है। बस ये ट्रेनें उपनगरीय न होकर अलग-अलग शहरों और राज्यों के बीच चलने वाली थीं। सोशल मीडिया पर कई यात्रियों ने यह शिकायत दर्ज कराई कि उनके पास वैध टिकट और सीट आरक्षण उपलब्ध था लेकिन भारी भीड़ के कारण वे अपनी सीट तक नहीं पहुंच सके और कई अवसरों पर तो वे ट्रेनों में भी नहीं घुस सके। भारतीय रेल ने दावा किया है कि ऐसा दीवाली और छठ पूजा के अवसर पर असाधारण भीड़ होने की वजह से हुआ है। देश के पूर्वी और उत्तरी इलाकों में रहने वाले कई प्रवासी इस अवसर पर घरों को लौटते हैं। इसके बावजूद यकीनी तौर पर इस भीड़ का अनुमान लगाया जा सकता था और इससे निपटने की व्यवस्था भी की जा सकती थी। रेलवे ने दावा किया कि उसने त्योहार के अवसर पर 1,700 अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन किया जिनमें 26 लाख अतिरिक्त बर्थ थीं। यदि ऐसा है तो बातें सही हैं: या तो ये आंकड़े वास्तविक मांग के समक्ष अत्यंत कमतर थे या फिर विशेष तौर पर चलाई गई ट्रेनों तथा बर्थ आदि का उन मार्गों पर किफायती आवंटन नहीं किया गया जहां यात्रियों की मांग अधिक थी।

सरकार सेवा और साफ-सफाई के स्तर पर बेहतर ट्रेनों की बात करती रही है। देश में रेल सेवाओं में ऐसा सुधार जरूरी है और लंबे समय से लंबित भी है। परंतु इस नतीजे से भी विमुख नहीं हुआ जा सकता है कि रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती तादाद को लेकर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया है। सामान्य एवं अनारक्षित श्रेणी की यात्राओं के लिए तय प्रक्रियाओं की भी समीक्षा करने की आवश्यकता है। अनारक्षित श्रेणी के यात्रियों की भारी भीड़ की वजह से आरक्षित यात्रियों का सफर नहीं कर पाने के लिए रेलवे की वह मौजूदा नीति जिम्मेदार है जिसके तहत सामान्य श्रेणी के टिकट ट्रेन के स्टेशन से निकलने के पहले तक जारी किए जाते हैं। इसके परिणाम सामान्य अवसरों पर भी 90 यात्रियों की क्षमता वाले अनारक्षित डिब्बे में इसके दोगुने या उससे भी अधिक यात्री सवार रहते हैं।

जानकारी के मुताबिक रेलवे लंबी दूरी की ट्रेनों में वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बे बढ़ा रहा है तथा सामान्य श्रेणी के डिब्बों की तादाद कम की जा रही है। ऐसा शायद इसलिए कि वातानुकूलित डिब्बे अधिक लाभदायक हैं। यदि ऐसा है तो सामान्य अनारक्षित श्रेणी का किराया बढ़ाए जाने तथा उनके डिब्बे भी बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। परंतु जैसा कि अक्सर होता है कमजोर वर्ग के यात्री किरायों में मूल्य नियंत्रण की समस्या आड़े आ जाती है। अनारक्षित श्रेणी यात्रियों की चिंताओं पर ध्यान देना आवश्यक है। आंकड़े बताते हैं कि यात्रा करने वालों में उनकी हिस्सेदारी बहुत अधिक है। लोकप्रिय मार्गों पर आरक्षित सीटें अक्सर 90 दिन पहले खुलने के साथ ही बुक हो जाती हैं। ऐसे में इन मार्गों पर अधिक ट्रेनों की जरूरत है। रेलवे को पर्याप्त संख्या में सामान्य श्रेणी के शयनयान भी उपलब्ध कराने चाहिए क्योंकि सामान्य प्रवासी श्रमिक उन्हीं में यात्रा करना पसंद करते हैं।

यदि ऐसा नहीं किया गया तो या तो उन्हें मूल्य श्रृंखला में ऊपर लाया जाए तथा अधिक शुल्क लेकर अधिक सुविधाएं प्रदान की जाएं या फिर ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि डिब्बों में अधिक भीड़ न हो।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# शिवसेना के दो नेताओं के बीच मुंबई की लोकसभा सीट को लेकर खींचतान

## मुख्यमंत्री को करना पड़ा हस्तक्षेप

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के दो नेताओं गजानन कीर्तिकर और रामदास कदम के बीच उत्तर पश्चिम मुंबई लोकसभा सीट को लेकर मंगलवार को भी खींचतान जारी रही और मुख्यमंत्री को खुद मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। अनुभवी नेता और उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से दो बार के सांसद कीर्तिकर आगामी आम चुनाव लड़ना चाहते हैं जबकि कदम की भी नजर इस सीट पर है क्योंकि वह अपने बेटे सिद्धेश कदम को यहां से उम्मीदवार देखना चाहते हैं।

कदम ने कहा, ''गजभाऊ (कीर्तिकर) ने कहा था कि वह अपनी उम्र के कारण चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन जब उद्धव ठाकरे ने उनके बेटे (अमोल कीर्तिकर) को इस सीट से उम्मीदवार घोषित किया तो वह जवान कैसे हो गए। क्या आपकी बेटे के लिए एकनाथ शिंदे से टिकट लेने की योजना है क्योंकि आप और आपका बेटा एक ही कार्यालय से काम करते हैं।'' कदम ने कहा कि वह अपने बेटे सिद्धेश के लिए टिकट नहीं मांगेंगे। गजानन कीर्तिकर मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से जुड़े हैं जबकि उनका बेटा अमोल कीर्तिकर अब भी शिवसेना (यूबीटी) में है। रामदास कदम शिवसेना के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्य मंत्री हैं और उनके दूसरे बेटे योगेश कदम दापोली से विधायक हैं।

दोनों नेताओं के बीच जुबानी जंग के बीच कीर्तिकर ने सोमवार को रामदास कदम को 'गद्दार' करार दिया। कदम ने मंगलवार को मुंबई में मुख्यमंत्री शिंदे से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की और उनके साथ पूरे घटनाक्रम पर चर्चा की। शिंदे से मुलाकात के बाद कदम ने कहा कि कीर्तिकर के साथ मामला उनके मीडिया से बातचीत करने से पहले सुलझ जाना चाहिए था।

कदम ने यह भी कहा कि उन्हें गजानन कीर्तिकर के उत्तर-पश्चिम मुंबई लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने से कोई समस्या नहीं है। कदम और कीर्तिकर पर कटाक्ष करते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता अनिल परब ने कहा कि दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को और अपनी 'गद्दारी' को भी बेनकाब कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमोल कीर्तिकर को शिवसेना (यूबीटी) मुंबई उत्तर-पश्चिम सीट से मैदान में उतारेगी। परब ने अमोल की जीत का भी भरोसा जताया।

# मिठाई देने के बहाने से 5 साल की बच्ची से रिश्तेदार ने किया बलात्कार...

**ठाणे :** नवी मुंबई में एक व्यक्ति ने मिठाई देने के बहाने अपने रिश्ते के भाई की पांच वर्षीय बेटी से कथित रूप से बलात्कार किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि बच्ची अपने माता-पिता के साथ पनवेल इलाके के एक गांव में रहती है, जबकि आरोपी नवी मुंबई के वाशी इलाके में रहता है। तलोजा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़िता की मां की शिकायत के अनुसार, आरोपी व्यक्ति बच्ची को मिठाइयां देने के बहाने गांव की किसी सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसने उससे कथित रूप से बलात्कार किया।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अविनाश कालदाते ने बताया कि आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर एक स्थानीय अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उसे 18 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 363 (अपहरण) और 376 (2) (एफ) (12 वर्ष से कम उम्र की बच्ची से बलात्कार) के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

# पत्नी पर शक होने के बाद बौखलाया पति...

## कहासुनी के बाद धारदार हथियार से किया हमला, महिला की मौके पर मौत

**पालघर :** महाराष्ट्र के पालघर जिले में 35 वर्षीय एक आदिवासी व्यक्ति ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी पति को अपनी पत्नी पर शक था, जिसके कारण उसने गुस्से में उसकी हत्या कर दी।

**पत्नी पर धारदार हथियार से किया हमला**

शख्स ने कथित तौर पर अपनी 32 वर्षीय पत्नी पर धारदार हथियार से हमला किया। जानकारी के मुताबिक, दोनों के बीच पहले से बहस चल रही थी, इसी बीच आरोपी ने अपनी पत्नी पर हमला कर दिया। इसके बाद आसपास में चीख-पुकार मच गई। एक ग्रामीण ने पुलिस को फोन कर तुरंत घटना की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हमला होते ही महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

**आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज**

अधिकारी ने बताया कि सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद शव परिजनों को वापस सौंप दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल, आरोपी से पूछताछ भी जारी है।

# 'यह मेरे लिए सरकारी नौकरी का सवाल है' मराठा आरक्षण मुद्दे को लेकर था 23 वर्षीय शख्स परेशान... जहर खाकर दी जान

महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर में मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर 23 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित दाजीबा रामदास कदम मार्लक गांव के रहने वाले हैं। वह किसी काम से शहर आया था और 11 नवंबर को जेंडा चौक इलाके में उसने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली।

**'यह मेरे लिए सरकारी नौकरी का सवाल है'**

दाजीबा को बेहोशी की हालत में पाया गया और तुरंत उसके रिश्तेदारों को सूचित किया गया। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 12 नवंबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस को पीड़ित व्यक्ति के पास से एक नोट भी बरामद हुआ, जिसमें उसने लिखा था, 'यह मेरे लिए सरकारी नौकरी का सवाल है। 'एक मराठा, लाख मराठा'। पुलिस ने भाग्यनगर थाने में दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

**मराठा आरक्षण क्यों जरूरी?**

जानकारी के लिए बता दें कि महाराष्ट्र में 30 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले मराठा शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग कर रहे हैं। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने राज्य सरकार को 24 दिसंबर तक आरक्षण घोषित करने की नई समय सीमा दी है। उन्होंने मराठा युवाओं से शांतिपूर्वक आरक्षण के लिए लड़ने और अतिवादी कदम न उठाने की अपील की थी।

# महाराष्ट्र में 12 लाख लोगों को पता ही नहीं कि उन्हें डायबटीज,

## 12% मुंबईवालों को मधुमेह, पढ़ें डराने वाली खबर...

**मुंबई :** बीएमसी के 26 अस्पतालों में डायबीटीज और हाइपरटेंशन की जांच के लिए खोले गए नॉन कम्युनिकेबल डिजीज (एनसीडी) कॉर्नर में आए 2.54 लाख में से 12 फीसदी मुंबईकरों का शुगर लेवल अधिक मिला है। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 12 फीसदी लोगों में 140 मिलीग्राम से अधिक शुगर लेवल मिला है। बीएमसी की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दक्षा शाह ने कहा कि डायबीटीज से ग्रसित 50 फीसदी लोगों को यह मालूम ही नहीं होता है कि उन्हें काफी समय से डायबीटीज है। होम स्क्रीनिंग, एनसीडी कॉर्नर्स में स्क्रीनिंग के जरिए लोगों को बीमारी के बारे में पता चलता है। इसलिए 30 से अधिक के उम्र के लोगों डायबीटीज और हाइपरटेंशन की नियमित जांच करनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बीएमसी के आपला दवाखाने में हर महीने 60 हजार से 70 हजार लोगों की डायबीटीज और

हाइपरटेंशन की स्क्रीनिंग की जाती है। लगभग 50 हजार लोग डायबीटीज के लिए नियमित रूप से बीएमसी के दवाखाने से दवाएं लेते हैं। 2021 में बीएमसी द्वारा किए गए स्टेप सर्वे में 18 से 69 उम्र के 18 फीसदी लोगों में फास्टिंग शुगर लेवल 126 मिलीग्राम से अधिक पाया गया था।

महाराष्ट्र में 11. 95 लाख लोगों को यह मालूम ही नहीं था कि उन्हें डायबिटीज है। राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे नॉन कम्युनिकेबल डिजीज (एनसीडी) प्रोग्राम के चलते उक्त लोगों को अपने डायबिटीज और हाइपरटेंशन स्टेटस का पता चला है। अधिकारियों के अनुसार, पहले की तुलना में महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

**स्क्रीनिंग में पता चली बीमारी**

एनसीडी प्रोग्राम के तहत वर्ष 2021 से राज्य के सभी जिलों में स्क्रीनिंग की गई। वर्ष 2021 से नवंबर 2023 तक राज्य में 2.09 करोड़ लोगों की जांच की गई, जिसमें 11.95 लाख लोगों में डायबिटीज की पुष्टि हुई है। इसमें 1.04 करोड़ पुरुषों और 1.05 करोड़ महिलाओं की जांच की गई। इसमें 5.70 प्रतिशत पुरुष और 5.73 प्रतिशत महिलाएं डायबिटीज से ग्रसित पाई गईं। जॉइंट डायरेक्टर एनसीडी (सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग) डॉ विजय बाविस्कर ने बताया कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य, खानपान, लाइफस्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है। सुस्त जीवनशैली, जंक फूड, फिजिकल ऐक्टिविटी न करना स्ट्रेस डायबिटीज होने का सबसे बड़ा कारण है।

# मुंबई से दतिया जा रहे थे, हाइवे पर पेशाब करते समय हादसे में खोया पैर...

## शख्स को कोर्ट के आदेश पर 2 करोड़ मुआवजा

**मुंबई :** 2016 की वह घटना बहुत दर्दनाक थी। मुंबई के भांडुप में रहने वाले शख्स का पैर कट गया। वह अपने दोस्त के साथ जा रहे थे और हाइवे पर वारदात ने उनकी जिंदगी तबाह कर दी। हालांकि 7 साल की लंबी लड़ाई के बाद अब उन्हें राहत मिली है। पीड़ित को उपभोक्ता फोरम के आदेश के बाद अब 2 करोड़ रुपये का मुआवजा मिलेगा। हादसे के समय पीड़ित राष्ट्रीय राजमार्ग पर पेशाब कर रहे थे, इसी दौरान एक टैंकर की चपेट में आने से दुर्घटना में अपना दाहिना पैर खो दिया था। अब उनकी उम्र 53 साल की है। भांडुप के रहने वाले इस शख्स रो मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 2 करोड़ रुपये (ब्याज सहित) का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इतना ही नहीं अगर समय सीमा में मुआवजा नहीं दिया गया तो ब्याज सहित रकम देने का आदेश है।

**मध्य प्रदेश के दतिया जा रहे थे**

पीड़ित व्यक्ति एफएमसीजी में उप महाप्रबंधक थे। वह अपने एक दोस्त के साथ मध्य प्रदेश के दतिया जा रहे थे। भांडुप से वे दोनों कार से निकले। राजमार्ग पर एक ढाबा के पास वह पेशाब करने के लिए हाइवे पर उतरे। इसी दौरान गलत दिशा से एक टैंकर आ रहा था। इस टैंकर ने उन्हें टक्कर मारी और उनके दाएं पैर को रौंदता हुआ निकल गया।

**उपभोक्ता फोरम ने क्या कहा?**

उपभोक्ता फोरम ने माना, '... याचिकाकर्ता को कमाई का वित्तीय नुकसान नहीं हुआ, हालांकि कमाई की क्षमता स्पष्ट रूप से सीमित कर दी गई है और इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता के पेशे की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए... और सामना की जा रही कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए..., यह नहीं माना जा सकता है कि उसने कमाई की क्षमता नहीं खोई है। इसके विपरीत, इसे काफी सीमित कर दिया गया है, न कि कम कर दिया गया है।' न्यायाधिकरण ने कहा कि हालांकि उन्हें अपने कर्तव्यों के पालन के लिए शामिल स्वतंत्र आवाजाही पर प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था, लेकिन यह उनका सौभाग्य है कि उनके नियोक्ता ने उन्हें नौकरी से नहीं निकाला।

## छठ महा पर्व पर बिहार और यूपी जानेवाले यात्रियों की भीड़

**मुंबई :** लोक आस्था का महा पर्व छठ के लिए बिहार और यूपी जानेवाले यात्रियों की भीड़ रेलवे स्टेशनों पर देखने को मिल रही है। इस बीच मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बिहार जानेवाली एक ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर आने का लोगों ने इंतजार तक नहीं किया और यार्ड में ही खड़ी ट्रेन में बैठ गए। जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आई तो इंतजार में खड़े यात्रियों को निराशा हाथ लगी। इसके साथ ही रेलवे यार्ड की सुरक्षा की पोल भी खुल गई।

पिछले वर्ष की तरह इस साल भी छठ पूजा को लेकर लोग बिहार और उत्तर प्रदेश की तरफ भारी तादाद में जा रहे हैं। ऐसे में ट्रेनों में आम दिनों से ज्यादा भीड़ तो है ही, वहीं लोग जल्द से जल्द पहुंचने के चक्कर में जान जोखिम में डालने को मजबूर हैं। इस बीच लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन की तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें रक्सौल जाने के लिए यार्ड में खड़ी ट्रेन में लोग महिलाओं और बच्चों के साथ जाकर बैठ गए।

# आतिशबाजी को लेकर हुआ था विवाद, फरार आरोपी की तलाश जारी

**नई दिल्ली :** उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से एक हैरान करनेवाली खबर सामने आई है, जहां दो दोस्तों के बीच आतिशबाजी को लेकर हुए विवाद में एक ने दूसरे की जान ले ली। बताया जाता है कि आरोपी दोस्त ने पटाखा छुड़ाने वाली देसी गन से दोस्त का प्राइवेट पार्ट उड़ा दिया, जिससे पीड़ित की मौत हो गई। इस घटना के बाद से आरोपी फरार हो गया है, जिसकी तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है। यह घटना गाजियाबाद में थाना लिंक रोड क्षेत्र के गांव झंडापुर में घटी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित और आरोपी दोनों दोस्त थे। झंडापुर गांव में दिवाली के दिन लोग दीये जलाकर और पटाखे फोड़ कर दिवाली मना रहे थे। इसी बीच आतिशबाजी को लेकर दोनों दोस्तों में कहासुनी होने लगी। बताया जाता है कि विवाद के दौरान आरोपी ने पीड़ित के पीछे प्राइवेट पार्ट पर निशाना साधकर आतिशबाजी करनेवाली बंदूक से फायर कर दिया। इससे पीड़ित का प्राइवेट पार्ट उड़ गया और उसकी मौत हो गई। यह देखकर आरोपी घबरा गया और फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि आरोपी और पीड़ित न केवल

दोस्त थे बल्कि एक ही कमरे में रहते थे। आतिशबाजी के बीच आरोपी व्यक्ति ने अपने रूम पार्टनर के शरीर के प्राइवेट पार्ट को निशाना साधकर स्टील की नाल से आवाज करने वाला यंत्र चला दिया। इससे दोस्त का गुप्तांग उड़ गया। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। यह घटना पास लगे सीसीटीवी वैष्ठमरे में भी वैष्ठद हो गई है और इसका वीडियो भी सामने आया है, जो कि अब वायरल हो रहा है। पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या की धाराओं में केस दर्ज किया है। इस मामले की जांच कर रही पुलिस ने बताया कि झंडा पुर गांव में किराए के मकान में पीड़ित और आरोपी रहते थे। दोनों मूल रूप से झारखंड के हैं, जो यहां आजीविका के उद्देश्य से आए थे। बीती रात दिवाली पर दोनों आतिशबाजी कर रहे थे। आतिशबाजी के दौरान दोनों में किसी बात को लेकर कहा-सुनी हो गई और बात गाली-गलौज तक पहुंच गई। जिससे नाराज होकर आरोपी बंदूक की नाल में गंधकझपोटाश डाल कर पीड़ित के पीछे प्राइवेट पार्ट के पास सटाकर फायर कर दिया।

# महाराष्ट्र के अहमदनगर में दो समूहों के बीच झड़प में पांच लोग घायल, सात गिरफ्तार

**मुंबई :** महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में विभिन्न समुदायों के दो समूहों के बीच झड़प में कम से कम पांच लोग घायल हो गए, जिसके बाद पुलिस ने सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना राज्य की राजधानी से लगभग 270 किलोमीटर दूर राहुरी के गुहा गांव में सोमवार सुबह हुई, जब एक समूह नाथपंथी संप्रदाय के एक मंदिर में अनुष्ठान कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि यह मंदिर दूसरे समुदाय के धार्मिक स्थल के करीब स्थित है। उन्होंने कहा, ''चूंकि मंदिर में प्रार्थना

की जा रही थी और स्पीकर तेज आवाज में था, दूसरे समुदाय के एक समूह ने आवाज कम करने के लिए कहा। हालांकि, इससे दोनों समूहों के बीच बहस हुयी।'' विवाद के दौरान मंदिर के पुजारी और एक अन्य व्यक्ति की दूसरे समूह ने पिटाई कर दी। उन्होंने बताया कि इसके चलते दोनों समूहों के बीच झड़प हो गई। झड़प के दौरान मंदिर पर पत्थर फेंके गए, जिसके बाद उस समूह ने भी दूसरे समूह के धार्मिक स्थल पर भी पत्थर फेंके। उन्होंने बताया कि घटना में कम से कम पांच लोग घायल हो गए। उन्होंने यह भी बताया कि पथराव के कारण दोनों धार्मिक स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद अहमदनगर पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और गांव में भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया। उन्होंने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

# आईसीसी विश्व कप 2023,शहर में होटल दरें लगभग 80% बढ़ गई

**मुंबई :** भारत १५ नवंबर को आईसीसी विश्व कप २०२३ के पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से भिड़ने जा रहा है और मुंबई में इस अहम मुकाबले में जीत की उम्मीद पहले से ही लगाई जा रही है। अर्थात भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई दिवाली के बाद एक और त्यौहार के लिए तैयार हो रही है। क्योंकि इंडिया २०१९ के सेमीफाइनल से बाहर होने का बदला लेने की तैयारी में है। जैसे-जैसे खिलाड़ी महत्वपूर्ण मैच की तैयारी कर रहे हैं, शहर में फैंस भी टिकट और होटल आवास रिजर्व करने के लिए जुटने लगे हैं। मुंबई के होटल भी इस अवसर का फायदा उठा रहे हैं क्योंकि यह मैच निश्चित रूप से दिवाली उत्सव के ठीक बाद बुकिंग बढ़ाने में मदद करेगा।

शहर में होटल दरें लगभग ८०- बढ़ गई हैं। नरीमन पॉइंट पर द ओबेरॉय जैसे पांच सितारा प्रतिष्ठान एक सुइट के लिए ९०,००० रुपए तक की मांग कर रहे हैं। एक लोकप्रिय बुकिंग पोर्टल के अनुसार, ट्राइडेंट होटल में १४ नवंबर को ३२,००० रुपए से दरें शुरू हो रही हैं। ओबेरॉय और ट्राइडेंट दोनों ही रणनीतिक रूप से १५ नवंबर के सेमीफाइनल के आयोजन स्थल वानखेड़े स्टेडियम के निकटतम पांच सितारा ऑप्शन के रूप में स्थित हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 15 नवंबर 2023



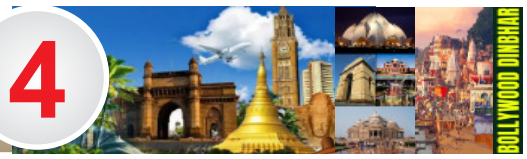


# फेक कास्ट सर्टिफिकेट वायरल होने पर शरद पवार बोले-

## 'मैं जन्म से दी गई जाति को...'

**महाराष्ट्र :** पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एनसीपी चीफ शरद पवार के नाम से एक सर्टिफिकेट वायरल हो रहा था. जिसमें यह कहा गया है कि शरद पवार ओबीसी कैटिगरी से ताल्लुक रखते हैं. इस दस्तावेज को उनकी बेटी सुप्रिया सुले ने फर्जी करार दिया था. अब खुद शरद पवार की इस पर प्रतिक्रिया सामने आई है. शरद पवार ने कहा कि ''मैं जन्म से दी गई जाति को नहीं छिपाता, पूरी दुनिया जानती है कि मेरी जाति क्या है.'' शरद पवार ने मराठा आरक्षण पर बात करते हुए यह भी कहा है कि मराठा युवाओं की भावनाएं मजबूत हैं, उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाएगा. शरद पवार ने यह बात गोविंद बाग में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही. वहीं, कुछ दिन पहले शरद पवार का फर्जी जाति प्रमाणपत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था. इस पर शरद पवार ने कहा, ह्लमेरा फर्जी जाति प्रमाणपत्र वायरल हो गया. मेरा अंग्रेजी प्रमाणपत्र कुछ

लोगों ने फैला दिया. उस पर ओबीसी लिखा था. मैं अपनी जन्म जाति नहीं छिपाता. पूरी दुनिया जानती है कि मेरी जाति क्या है.''

**मराठा और ओबीसी में नहीं है कोई विवाद- शरद पवार**

शरद पवार ने मराठा आरक्षण पर भी टिप्पणी की है. मराठा युवाओं की भावना प्रबल है. शरद पवार ने भी मराठा समुदाय को आश्वासन दिया है कि वह उनकी अनदेखी नहीं करेंगे, वह लोगों की भावनाओं को सरकार तक पहुंचाने का काम करेंगे. उन्होंने कहा कि मराठा और ओबीसी में कोई विवाद नहीं है, लेकिन कुछ लोग ऐसा माहौल बना रहे हैं. शरद पवार ने कहा कि लोगों के न्याय संबंधी मुद्दों का समाधान होना चाहिए. बता दें कि सीएम शिंदे बैठक भी बुलाई थी, जिसमें राज्य के विभिन्न दलों के प्रमुख नेता शामिल हुए थे. इस पर शरद पवार ने कहा कि सीएम ने कहा है वह आरक्षण की प्रक्रिया पूरी करेंगे.

**पड़वा के मौके पर बारामती आए थे शरद पवार**

एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने कहा, ''पिछले 50 साल का यही पैटर्न रहा है. लोग पड़वा के दिन बारामती आते हैं. पिछले कुछ सालों में इसमें बढ़ोतरी हुई है. इस साल अलग है. क्योंकि पहले लोग पड़वा के लिए आते थे, अब लोग पड़वा से पहले आ जाते हैं और कहते हैं कि पड़वा पर बहुत भीड़ होती है, इसलिए हम पहले ही आकर मिल लेते हैं. आजकल लोग दो दिन पहले भी आ जाते हैं.''

# एजेंट के वादों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एयरलाइंस पर सुनाया अहम फैसला

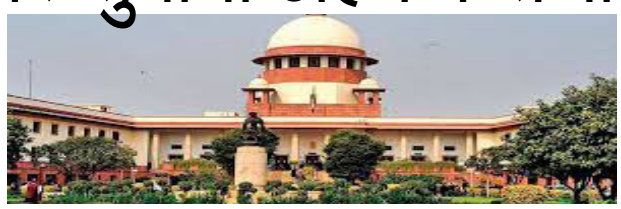

**नई दिल्ली :** ज्यादातर लोग जब हवाई मार्ग से सामान की खेप पहुंचाने के लिए बुकिंग करते हैं, तो एयरलाइंस के अधिकृत एजेंट के जरिए करते हैं और एजेंट द्वारा समान पहुंचाने के लिए दी गई समय सारिणी को ही सही मानते हैं, लेकिन कभी-कभी जब समान की खेप तय समय पर नहीं पहुंचती और देरी पर हुए नुकसान का हजार्ना मांगा जाता है तो एयरलाइंस यह कहते हुए मुकर जाती हैं कि दिखाओ मेरे साथ कौन सा एग्रीमेंट हुआ था, जिसमें इस तय समय में समान पहुंचाने की बात थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

**सुप्रीम कोर्ट का आदेश**

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में जो आदेश दिया है, उसके मुताबिक एयरलाइंस एजेंट द्वारा बुकिंग के समय दी गई समय सारिणी से नहीं मुकर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एयरलाइंस अपने एजेंट की ओर से किये गए वादे और दी गई समय-सारिणी से बंधी है।

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के समान पहुंचने में देरी पर 30 लाख रुपये मुआवजा देने के आदेश को सही ठहराते हुए कुवैत एयरवेज अपील खारिज कर दी। यह मामला 1996 का है, जिसमें हस्तशिल्प का बहुत सारा सामान अमेरिका पहुंचना था। एयरलाइंस के ट्रैवल एजेंट ने बुकिंग करते वक्त सात दिनों में सामान की खेप पहुंचाने की समय सारिणी दी थी, जबकि सामान डेढ़ महीने बाद पहुंचा, जबकि सामान जल्दी पहुंचाने के लिए समुद्री मार्ग से 10 गुना अधिक भाड़ा देकर हवाई मार्ग से सामान भेजा गया।

सामान समय पर न पहुंचने पर मैसर्स राजस्थान इम्पोरियम, जो कि विभिन्न देशों में हस्तशिल्प के सामानों का एक्सपोर्टर था, ने एनसीडीआरसी में शिकायत दाखिल कर मुआवजा दिलाने की मांग की थी। एनसीडीआरसी ने देरी से सामान पहुंचने पर हुए नुकसान के लिए नौ फीसद ब्याज के साथ 25 लाख रुपये और मानसिक पीड़ा व मुकदमा खर्च के लिए पांच लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया था।

### SC ने एनसीडीआरसी के फैसले को सही ठहराया

**एनसीडीआरसी द्वारा तय मुआवजे को और बढ़ाने की मांग लेकर मैसर्स राजस्थान आर्ट इम्पोरियम ने भी अपील दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों अपीलें खारिज कर दी हैं और एनसीडीआरसी के फैसले को सही ठहराया है। न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने एनसीडीआरसी के फैसले में दखल देने से इन्कार करते हुए गत 9 नवंबर को फैसला सुनाया।**

## महाराष्ट्र के ठाणे में आग लगने से फ्लैट जलकर खाक हुआ, कोई हताहत नहीं

**ठाणे :** महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक इमारत की 18वीं मंजिल में आग लगने से एक फ्लैट पूरी तरह जल गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम की आपदा प्रबंधन इकाई के प्रमुख यासिन ताडवी ने बताया कि मीरा रोड इलाके के काशीगांव में 22 मंजिली इस इमारत में स्थित इस फ्लैट में सोमवार रात करीब सवा दो बजे आग लग गयी लेकिन उसमें कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि इस अपार्टमेंट में पूजा के लिए मेज पर एक दीया जलाया गया था जिससे उसके (मेज के) ऊपर रखे कपड़े में आग लग गयी और उसकी लपटें पूरे घर में फैल गयीं। उन्होंने बताया कि उस फ्लैट में रहने वाले लोग सुरक्षित बाहर आ गये लेकिन मकान पूरी तरह जल गया।

# म्हाडा लॉटरी में मास्टर लिस्ट के नागरिकों को मिलेगा बड़ा घर!

### जानें मुंबई, पुणे समेत महाराष्ट्र में क्या योजना...

**मुंबई :** महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) ने साउथ मुंबई के मास्टर लिस्ट के परिवारों को 100 वर्ग फीट बड़ा घर लेने का विकल्प देने का फैसला लिया है। एक्स्ट्रा स्पेस लेने के लिए इस लिस्ट में शामिल नागरिकों को रेडी रेकनर दर से 125 प्रतिशत अधिक रकम चुकाना होगा। मास्टर लिस्ट में प्रॉजेक्ट अफेक्टेड या ऐसे परिवार होते हैं, जिनकी इमारत गिर चुकी है। ऐसे परिवारों के पुनर्वास की जिम्मेदारी सरकार की होती है। प्रभावित परिवारों को घर मुहैया करवाने के लिए म्हाडा का मुंबई इमारत मरम्मत व पुनर्रचना मंडल की ओर से मास्टर लिस्ट तैयार किया जाता है। साउथ मुंबई में हजारों पुरानी बिल्डिंगें हैं। इसमें से सैकड़ों बिल्डिंगों का निर्माण बेहद ही छोटी जगह में किया गया है। बारिश समेत अन्य कारणों से इमारत के गिरने पर कम जगह होने की वजह से उसी स्थान पर हर परिवार को घर मुहैया करवाना संभव नहीं होता। इस परिस्थिति में वहां से नागरिकों को म्हाडा किसी अन्य स्थानों पर तैयार हो रही बिल्डिंग में घर उपलब्ध करवाने के लिए मास्टर लिस्ट तैयार करती है।

**750 वर्ग फिट घर पर लागू योजना**

संजीव जयसवाल ने बताया कि प्रभावित परिवारों को उनका मूल आकार का घर मुफ्त में मिलेगा। केवल उनको एक्स्ट्रा स्पेस लेने के लिए पैसे भरने होंगे। इस योजना के तहत परिवारों को अधिकतम 750 वर्ग फिट तक के घर उपलब्ध होंगे।

**ऑनलाइन अलॉटमेंट**

मास्टर लिस्ट के तहत घर अलॉट की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए म्हाडा ने ऑनलाइन तरीका अपनाने का फैसला है। संजीव के अनुसार, भविष्य में मास्टर लिस्ट के सभी घर म्हाडा द्वारा विकसित आईएचएलएमएस 2.0 तकनीक के माध्यम से ऑनलाइन तरीके से वितरित किए जाएंगे।

# अडाणी इलेक्ट्रिसिटी ने मुंबई में 30 लाख ग्राहकों को चार घंटे हरित बिजली की आपूर्ति की

**मुंबई :** अडाणी समूह की बिजली वितरण कंपनी अडाणी इलेक्ट्रिसिटी ने सोमवार को कहा कि उसने दीपावली के दिन मुंबई के 30 लाख घरों और प्रतिष्ठानों को लगातार चार घंटे पूरी तरह से नवीकरणीय स्त्रोतों से उत्पादित बिजली की आपूर्ति की। अडाणी इलेक्ट्रिसिटी ने सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे के बीच अपने 30 लाख ग्राहकों को नवीकरणीय स्त्रोतों से उत्पन्न 1,200 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की। इसका मतलब है कि वित्तीय राजधानी की 40 प्रतिशत से अधिक बिजली की जरूरतें नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त हुईं। मुंबई की अधिकतम बिजली मांग 2,500 मेगावाट से अधिक थी। यह शाम को 2,776 मेगावाट तक पहुंच गई। मुंबई के लिये इस समय प्रदूषण स्तर पर अंकुश लगाना और वायु गुणवत्ता में सुधार एक चुनौती बना हुआ है। अडाणी इलेक्ट्रिसिटी

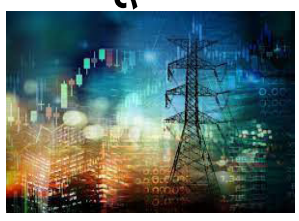

ने बयान में कहा कि उसने सौर और पवन बिजली उत्पादकों से बिजली प्राप्त करने की योजना पहले ही बनायी थी। कंपनी के प्रबंध निदेशक कंदर्प पटेल ने कहा, ''मुंबई में शत-प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति एक उपलब्धि है। यह बताता है कि नवीकरणीय ऊर्जा मुंबई को प्रतिस्पर्धी दर पर भरोसेमंद बिजली प्रदान कर सकती हैह्व।''बयान के अनुसार, कंपनी ने इस साल अबतक ग्राहकों को जो बिजली आपूर्ति की है, उसमें 38 प्रतिशत हरित स्त्रोतो से है। कंपनी ने 2027 तक इसे बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने संकल्प जताया है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com